रक्षा बन्धन के पावन पर्व पर दिव्य संदेश

आया राखी का पावन त्यौहार, आओ करे पवित्रता का श्रृंगार

विश्वरक्षक, पवित्रता के सागर, परमात्मा की आत्मिक संतान नूरे रतन

दैवी भाई-बहन .....

राखी का त्यौहार पवित्रता और स्नेह का प्रतीक एवं पवित्र स्नेह के बन्धन में बंधन एवं बाधंने का यादगार दिवस है। हम सभी इस वर्ष को शांति और शुभ भावना के वर्ष के रूप में मना रहे हैं। जो हम सभी को यही प्रेरण देता है कि जीवन को शांति एवं शुभ भावना से भरपूर कर अपने व्यवहार में स्नेह, सहानुभूति, दिव्यता एवं मधुरता आदि दिव्यगुण धारण कर संस्कार परिवर्तन के श्रेष्ठ कार्य में सहयोगी बनें।

हम सभी रक्षाबन्धन के पावन पर्व पर यही शुभ संकल्प लें कि हम स्वयं के जीवन में विकारों को राख कर, सर्व गुणों में सपंन्न बन, स्वयं के सच्चे रक्षक बनेंगे। जीवन को मूल्यवान बनाकर विश्व परिवर्तन के महान कार्य में सहयोगी बनेंगे।

मन-वचन-कर्म से पवित्रता को धारण कर दृढ़ संकल्प की राखी बांध, आत्मस्मृति का तिलक दे, मधुरता के बोल की मिठाई खायेंगे और खिलायेंगे। यही राखी का मधुर संदेश है।

इसी शुभ भावना एवं श्रेष्ठ कामना के साथ पवित्र प्रेम का सूचक राखी आप को भेज रहे हैं। इसे सस्नेह स्वीकार करना जी।

इन्हीं शुभ कामनाओं के साथ रक्षा बन्धन की पदमापदम बधाईयां हों, बधाईयां हों, बधाईयां हो .....।

ईश्वरीय सेवा में